चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5-8

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी : प्रो. केपी सिंह

एचएयू में वाइस चांसलर ने ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स का किया उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

युवाओं को 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स किए जाएंगे प्रदान

डॉ. केपी सिंह बोले- प्रशिक्षु अपना व्यवसाय शुरु करेंगे तो इससे दूसरों को भी रोजगार देंगे

हिसार। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। वाइस चांसलर प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की तरफ से आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एचएयू ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरंभ किया है। इसके अंतर्गत उन्हें मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक आदि 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. केपी सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षु अपना व्यवसाय शुरू करेंगे तो औरों को भी रोजगार देंगे। सहनिदेशका प्रशिक्षण डॉ. मंजू दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबिलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं।

इस अवसर पर वाइस चांसलर के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग, खुंब उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. राकेश चुघ और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित थे।

कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देते वीसी प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 4-8

किसी भी कार्य की सफलता के लिए कौशल विकास जरूरी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है, जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्त्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्त्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप क्लटिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्त्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। सहनिदेशका प्रशिक्षण डा. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डा. सुरेन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डा. एमके गर्ग और खुम्ब उत्पादक प्रशिक्षक डा. राकेश चुघ और डा. विनोद मलिक भी मौजूद थे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र देते हुए। ● जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 6-8

रोजगार पाना है तो एचएयू के 19 सर्टिफिकेट कोर्स दिखाएंगे रास्ता

सायना नेहवाल संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्सों का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्सों का शुभारंभ हुआ। इस दौरान कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं।उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। प्रधानमंत्री विकास योजना के तहत ट्रेक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति ने दो प्रशिक्षणों के कुल 51 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। इस दौरान सहनिदेशका प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चुघ और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित रहे।

बेरोजगार युवाओं के लिए ये हैं कोर्स

हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकत्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकत्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप क्लटिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकत्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे।

इस कोर्स से यह होगा लाभ

- प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
- इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ-साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकेंगे।
- प्रशिक्षण के बाद भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहकर उनसे मार्गदर्शन लेते रहेंगे तो आगे तरक्की कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...नभ छोर...

दिनांक 28.6.2019 पृष्ठ सं. ...2... कॉलम ...6-8...

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी : सिंह

हिसार/28 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप क्लटीवेटर, गेहूं क्लटीवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्त्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्त्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानेशियस क्रॉप क्लटीवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्त्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ-साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकेंगे। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के उपरांत भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहकर उनसे मार्गदर्शन लेते रहने को कहा। इस अवसर पर कुलपति ने रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के अंतर्गत खुम्ब उत्पादक विषय पर संपन्न हुए दो प्रशिक्षणों के कुल 51 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। उन्होंने कहा यह प्रशिक्षु अपना व्यवसाय शुरू करेंगे तो औरों को भी रोजगार देंगे। सहनिदेशक प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग तथा खुम्ब उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. राकेश चुघ और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नित्य शामित टाइम्स........

दिनांक 28.6.2019 पृष्ठ सं. ......6...... कॉलम ......6-8......

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी : केपी

हिसार, 28 जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा है कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं।

कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप कल्टिवेटर, गेहूं कल्टिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मैकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप कल्टिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ-साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकेंगे। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के उपरांत भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहकर उनसे मार्गदर्शन लेते रहने को कहा। इस अवसर पर कुलपति ने रेकोग्नीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के अंतर्गत खुम्ब उत्पादक विषय पर संपन्न हुए दो प्रशिक्षणों के कुल 51 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। उन्होंने कहा यह प्रशिक्षु अपना व्यवसाय शुरू करेंगे तो औरों को भी रोजगार देंगे।

सहनिदेशक प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग तथा खुम्ब उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. राकेश चुघ और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित थे।

6

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स........

दिनांक ....28.6.2019.... पृष्ठ सं. ....4.... कॉलम ....2-5....

कार्यक्रम | हकृवि में ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी: प्रो. केपी सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है।

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र देते हुए।

उन्होंने कहा हकृवि ने बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हें मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, चावल क्रोप कल्टिवेटर, गेहूं कल्टिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानेसियस क्रोप कल्टिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे।

सहनिदेशक प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग तथा मुख्य उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. राकेश गुप्ता और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरि भूमि......
दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. ....14..... कॉलम ....5-8......

हकृवि में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में बोले वीसी प्रो. केपी सिंह

संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता पर निर्भर

- फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीयस्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आह्वान किया। कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और विश्वविद्यालय को स्वतः पोषित बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों की समृद्धि के लिए उन्हे उद्यमी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सहमानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजू महता भी उपस्थित थी।

हिसार। प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो केपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. ..... 4 ..... कॉलम ..... 5-8 .....

शिक्षण संस्थान को सम्मान दिलवाने में फैकल्टी का होता है महत्वपूर्ण योगदान : वी.सी.

हिसार, 28 जून (ब्यूरो): शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हें संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्त्तव्य निभाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एम.एस. सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सह मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डा. मंजू मेहता भी उपस्थित थीं।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 4-5

फैकल्टी की योग्यता, कौशल पर निर्भर करती है शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा

कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है, इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही।

वह विश्वविद्यालय में नव-नियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे। इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर्स भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है, जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं।

कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और विश्वविद्यालय को स्वतः पोषित बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों की समृद्धि के लिए उद्यमी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4

अध्यापन एक कला है जिसमें पारंगत होना चाहिएः कुलपति प्रो. केपी सिंह

हिसार | शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आहवान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 29.6.2019 पृष्ठ सं. ..... 6 ..... कॉलम 7-8 .....

अध्यापन एक कला, जिसमें पारंगत होना चाहिए : डॉ. केपी सिंह

हिसार (ब्यूरो)। शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हें संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही में नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मेंबर भाग ले रहे हैं। वाइस चांसलर ने कहा कि अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हें पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सहमानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजु महता भी उपस्थित थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........
दिनांक 28.6.2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....1-3....

शिक्षण संस्थान को सम्मान दिलाने में फैकल्टी का होता है महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति

हिसार/28 जून/रिपोर्टर

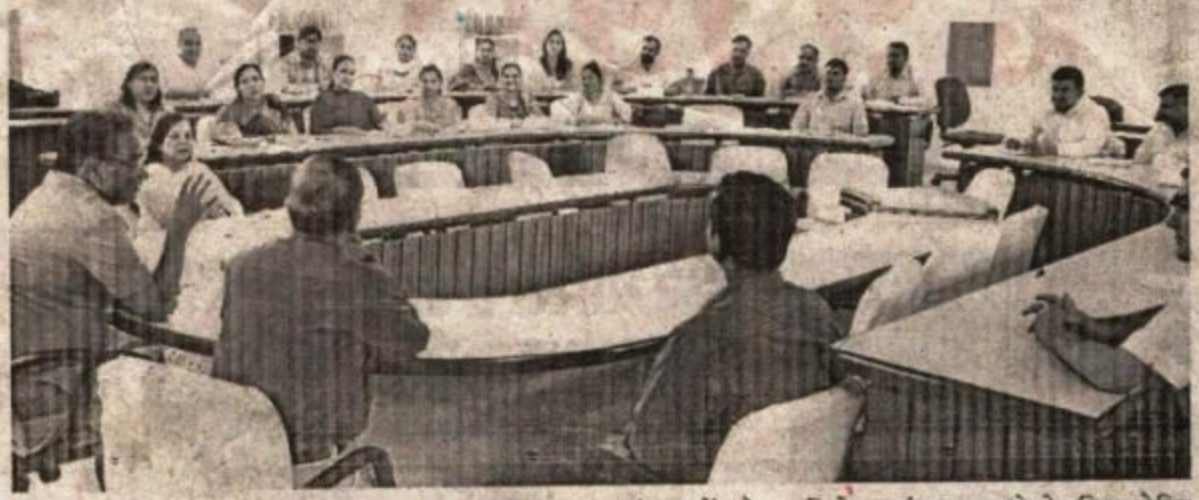

शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान कही। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आहवान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों मे जाकर और उनके साथ सहयोग करके अपने ज्ञान के उन्नयन के साथ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान करने और अनुसंधान पत्रों को उच्च रेटिंग वाले राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय जरनलों में प्रकाशित करने चाहिए। कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और विश्वविद्यालय को स्वत: पोषित बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों को समृद्धि के लिए उन्हे उद्यमी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्ध पुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सह मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजु महता उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक हिसार....
दिनांक 28.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-2

शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति

हिसार: 28 जून शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आहवान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों में जाकर और उनके साथ सहयोग करके अपने ज्ञान के उन्नयन के साथ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान करने और अनुसंधान पत्रों को उच्च रेटिंग वाले राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय जरनलों में प्रकाशित करने चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... निष्पक्षित टाईम्स .....

दिनांक 28.6.2019 पृष्ठ सं. .....6..... कॉलम .....1-2.....

शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर : वीसी

हिसार, 28 जून (निस)। शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हें संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आहवान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से

गुणवत्तापूर्ण प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों में जाकर और उनके साथ सहयोग करके अपने ज्ञान के उन्नयन के साथ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान करने और अनुसंधान पत्रों को उच्च रेटिंग वाले राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय जरनलों में प्रकाशित करने चाहिए। कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और विश्वविद्यालय को स्वत: पोषित बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों की समृद्धि के लिए उन्हे उद्यमी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सह मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजु महता भी उपस्थित थी।